



न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2024 / 448

दर्ज तिथि:-25.09.2024

1. केसराम पुत्र खेताराम
जाति कलबी निवासी नई उन्दरी तहसील गुढामालानी जिला बाड़मेर

.....प्रार्थीगण

बनाम

1. केसराम पुत्र विरधाराम
2. ताजाराम पुत्र पांचाराम
3. थानाराम पुत्र अजाराम
4. प्यारी देवी पत्नी थानाराम
5. पांचाराम पुत्र अजाराम
6. भावाराम पुत्र विरधाराम
7. मफीदेवी पत्नी पांचाराम
8. मोहनीदेवी पत्नी लाधाराम
9. रतनाराम पुत्र विरधाराम
10. लाधाराम पुत्र अजाराम
11. गोवाराम पुत्र निंबाराम
12. छगनाराम पुत्र तुलछा
13. तेजाराम पुत्र लाधा फौत के वारीसान
13/1 केसी देवी पत्नी तेजाराम
13/2 दिनेश कुमार पुत्र तेजाराम (नाबालिग वलिदा माता केसीदेवी)
13/3 हरीश कुमार पुत्र तेजाराम
14. दरगीदेवी पत्नी निंबाराम
15. दानाराम पुत्र निंबाराम
16. पुरखा पुत्र माना
17. प्रभुराम पुत्र निंबाराम
18. पांचाराम पुत्र तुलछा
19. मोटा पुत्र लाधा
20. रूखमो पत्नी लाधा
21. लालाराम पुत्र निंबाराम
22. वालाराम पुत्र निंबाराम
23. विरमा पुत्र लाधा



24. शंकरा पुत्र लाधा
25. हिन्दू पुत्र लाधा
26. होथीराम पुत्र तुलछा
27. नगा पुत्र उमा
28. पेमाराम पुत्र नेथीराम
29. मांगा पुत्र उमा
30. रामा पुत्र गिरधारी
31. लीला पुत्र उमा
32. सीतादेवी पत्नी नेथीराम
33. अचलाराम पुत्र गंगदाराम
34. देमादेवी पत्नी सुराराम
35. मगाराम पुत्र सुराराम
36. मांगाराम पुत्र माशीगाराम
जाति कलबी निवासी नई उन्दरी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर।
37. शाखा प्रबंधक एसबीआई बैंक शाखा गुड़ामालानी
38. शाखा प्रबंधक जेटीजीबी बैंक सड़ा।
39. शाखा प्रबंधक एसबीआई बैंक शाखा एडीबी गुड़ामालानी
40. मैनेजर बीसीसीबी बैंक सिणधरी
41. मैनेजर आरएमजीबी बैंक शाखा गुड़ामालानी
42. राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार गुड़ामालानी

.....विप्रार्थीगण

उपस्थित अधिवक्ता

प्रार्थी:- श्री हरिश चौधरी

अप्रार्थीगण:-श्री मोहनलाल विश्नोई

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-251ए

राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955

---निर्णय:---

निर्णय तिथि:-10.03.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-'क' के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थीनी की खातेदारी आराजी 77/2.7438 है0 मौजा नई उन्दरी तहसील गुड़ामालानी में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके पर विद्यमान मार्ग खसरा संख्या 86/3.0190 है0, 85/4.4596 है0, 84/3.2537 है0 एवं 97/19.2873 है0 से होते हुए कट्टाण रास्ते तक चालू है परंतु विप्रार्थी के खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु अनुतोष चाहा गया है। प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता

दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थनी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण के विधिवत तामील पश्चात् अप्रार्थीगण असागतन-वकालतन उपस्थित न्यायालय होकर जवाब प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में तहसीलदार गुडामालानी से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 के अनुसार मौका जाँच रिपोर्ट तलब की गई। प्रकरण में तहसीलदार गुडामालानी द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 को मौका रिपोर्ट तैयार कर प्रेषित की। जो कि शामिल मिसल की गई।
3. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण की जिरह सुनी गई। अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए मुताबिक प्रार्थना-पत्र अनुतोष स्वीकार करते हुए प्रार्थना-पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया। अभिभाषक अप्रार्थीगण ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र के जवाब में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया कि खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी से होकर प्रार्थी द्वारा रास्ता चाहा गया है। परंतु खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी में वर्तमान में कोई सार्वजनिक रास्ता नहीं है। खसरा संख्या 211/177 व खसरा संख्या 72 में स्थित पक्की सड़क से प्रार्थी की आराजी की दूरी सबसे कम पड़ती है। अप्रार्थीगण के खसरा संख्या 86, 85, 97 से लम्बी दूरी होने तथा खसरा संख्या 86 में वर्तमान में अप्रार्थीगण द्वारा अनार के पौधे व भूमिगत बूंद-बूंद सिंचाई की पाईपलाईन बिछाई होने के कारण अप्रार्थीगण की उक्त भूमि में से रास्ता दिये जाने से अप्रार्थीगण को अत्यधिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। अतः प्रार्थी को खसरा संख्या 211/177 व खसरा संख्या 72 से रास्ता प्रस्तावित किया जावे।
4. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है-

251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where -

(a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or

(b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer

concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted or in lieu of payment of compensation, on transfer of land in exchange of equal area in the name of such tenant preferably having the same price and adjoining to his land.

(2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records.

(3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

68. Application under Sec. 251-A. - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.

69. Enquiry and disposal of application. - On receipt of an application in Form 1, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

70. Determination of compensation. - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955, के नियम 68 लगायत 70 के उद्धरण से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफत हेतु अन्य खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ता रिकार्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है-

1. प्रार्थी की रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

7. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955, के नियम 68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने

अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-4 में रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता का जिक्र किया है तथा अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। साथ ही तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 के बिन्दु संख्या 2 एवं 3 से इस तथ्य की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार प्रार्थी के प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 के अवलोकन से प्रथमदृष्टया प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 77 मौजा नई उन्दरी तक पहुंचने हेतु रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा खसरा संख्या 77 मौजा नई उन्दरी तक पहुंचने हेतु अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। उक्त प्रस्तावित रास्ते के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक रिकॉर्डेड रास्ता की अनुपस्थिति रिकॉर्ड एवं तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 के अवलोकन से स्पष्ट है। साथ ही प्रार्थी के प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 अनुसार रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता प्रतीत होती है। अतः उक्त विश्लेषण के अनुसार शर्त संख्या 2 व 3 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार अतः प्रार्थी का नवीन रास्ते बाबत अनुतोष स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने से प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता रिकॉर्ड में दर्ज करने का अनुतोष स्वीकार किया जाता है। अब इसके पश्चात तृतीय शर्त बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का लघुत्तम मार्ग रास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है।

8. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 77 मौजा नई उन्दरी में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके पर प्रस्तावित मार्ग हेतु अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु निवेदन किया है। साथ ही प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी से होकर लघुत्तम मार्ग को प्रस्तावित किया गया है।
9. प्रकरण में अप्रार्थी का अभिकथन है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 77 तक पहुंच हेतु एक अन्य वैकल्पिक रास्ता खसरा संख्या 211/177 व खसरा संख्या 72 से होकर उपलब्ध है। प्रकरण में अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित वैकल्पिक रास्ता के अवलोकन से ज्ञात होता है कि अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित वैकल्पिक रास्ता प्रार्थी की आराजी से काफी लम्बी दूरी से होने तथा प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता मौके पर चालू है। प्रकरण में पीठासीन अधिकारी द्वारा मौका निरीक्षण किया गया। बाद मौका निरीक्षण संज्ञान में आया कि गुड़ामालानी से बालोतरा जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग से खसरा संख्या 88/3

व 86 के सेढे होकर एक कट्टाण मार्ग दर्ज रिकॉर्ड है। इस कट्टाण मार्ग पर मौके पर डामर सड़क बनी हुई है। उक्त डामर सड़क से अप्रार्थी के खसरा संख्या 86 व 85 से होकर प्रार्थी द्वारा रास्ते का निवेदन किया गया है। प्रार्थी द्वारा निवेदित रास्ते में अप्रार्थी का खसरा संख्या 86 का बहुत छोटा भाग आता है। अप्रार्थी के अतिरिक्त अन्य खसरों के खातेदार प्रार्थी द्वारा निवेदित प्रस्तावित मार्ग के रिकॉर्ड में दर्ज करने पर सहमत हैं। असल में खसरा संख्या 77 से होकर खसरा संख्या 97 व 85 से होकर मौके पर एक कदीमी रास्ता खसरा संख्या 85 व 86 की सीमा तक मौके पर दीर्घकाल से चालू है। उक्त कट्टाण रास्ते तथा बालोतरा से गुड़ामालानी हाईवे से जुड़े हुए डामर सड़क के मध्य में खसरा संख्या 86 का केवल 60-70 मीटर भाग पर ही मौके पर रास्ता चालू नहीं है। इस प्रकार केवल अप्रार्थी के खेत से होकर ही मौके पर रास्ता चालू नहीं है। इस प्रकार प्रार्थी के खेत से होकर रास्ता चालू होने पर आगे मौके पर चालू रास्ते से सीधा जुड़ाव होना व्यावहारिक व लघुत्तम रास्ता प्रतीत होता है।

10. इस प्रकार तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 के अवलोकन अनुसार प्रार्थी द्वारा आवेदित तथा तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 में अंकित रास्ता का मार्ग ही लघुत्तम मार्ग प्रतीत होता है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प मुताबिक तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 द्वारा प्रस्तावित मार्ग का विकल्प को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।
11. उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 को प्रेषित की गई मौका जॉच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क काबिल-ऐ स्वीकार है। अतः तहसीलदार गुड़ामालानी की शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 की मौका जॉच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अनुसार प्रस्ताव लघुत्तम मार्ग बतौर 30 फुट चौड़ा गैर मुमकिन रास्ता नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, अगर कोई हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भुगतान तथा भूमि उपलब्ध करवाने के पश्चात् राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। प्रार्थी उक्त नवीन रास्ते में समाहित हुई अप्रार्थीगणों की खातेदारी आराजी के बदले समान अवस्थिति पर समान रकबे व गुणवत्ता की भूमि उपलब्ध करवाने का विकल्प तहसीलदार गुड़ामालानी के समक्ष प्रस्तुत करे तथा अप्रार्थीगण अगर सहमत हो तो अप्रार्थीगणों को भूमि के बदले भूमि दर्ज रिकॉर्ड की जावे। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र तहसीलदार गुड़ामालानी की

पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 को प्रेषित की गई मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अवलोकन पश्चात विश्लेषित निष्कर्ष प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता के आधार पर स्वीकार किया जाता है एवं तहसीलदार गुड़ामालानी को आदेश दिये जाते हैं कि पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 की मौका जाँच रिपोर्ट में आराजी हाल खसरा संख्या 86, 85, 84, 97 मौजा नई उन्दरी में अंकित प्रस्ताव में इंगित लाल रंग से प्रदर्शित लम्बाई एवं प्रार्थी द्वारा निवेदित चौड़ाई, जो कि अधिकतम 30 फुट से कम हो, के रास्ते में आयी भूमि एवं निर्माण के एवज में राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम-70 के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि आंकलित कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि अथवा प्रार्थी द्वारा उक्त नवीन रास्ते में आयी भूमि के एवज में समान अवस्थिति पर समान रकबे की भूमि का विकल्प के आधार पर नियमानुसार उक्त नवीन रास्ते को खाता संख्या-1 सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावें। पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/2323 दिनांक 21.11.2024 की मौका जाँच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।

निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार गुड़ामालानी को भिजवायी जावें।

यह आदेश आज दिनांक 10.03.2025 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुड़ामालानी-बाड़मेर